Mass Media क्या है?

सीधे शब्दों में कहें तो Mass media को एक ऐसी तकनीक के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसका उद्देश्य संचार करना या बड़े पैमाने पर दर्शकों तक पहुंचना है। जनसंचार माध्यम वास्तव में आम जनता के लिए एक दूसरे के साथ-साथ बड़े स्तर पर संवाद करने के लिए संचार का प्राथमिक साधन है। सबसे लोकप्रिय प्रकार के जनसंचार माध्यमों में समाचार पत्र, रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट, पत्रिकाएँ और बहुत कुछ शामिल हैं!

Mass Communication क्या है?

Mass Communication का तात्पर्य जनसंचार तक पहुंचने के लिए विविध मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से सूचना के प्रसार और आदान-प्रदान की प्रक्रिया है। Mass Communication Mass media से अलग है क्योंकि Mass Communication के विभिन्न रूपों जैसे टीवी, रेडियो, इंटरनेट, प्रिंट मीडिया, आउटडोर मीडिया आदि का इस्तेमाल Mass Communication को सुविधाजनक बनाने के लिए किया जाता है, यानी कुछ सूचनाओं को जनता तक पहुँचाया जाता है।

जनसंचार के सबसे आम प्रकार हैं:

- पत्रकारिता
- सामाजिक मीडिया
- फिल्में
- टेलीविजन
- रेडियो
- विज्ञापन
- जनसंपर्क
- किताबें, पत्रिकाएं, समाचार पत्र और पत्रिकाएं
- फोटोग्राफी
- ऑडियो मीडिया जैसे सामुदायिक रेडियो, पॉडकास्ट
- इंटरएक्टिव मीडिया जैसे वेबसाइट, वीडियो गेम, डिजिटल विज्ञापन आदि।

Mass Communication के लाभ

समकालीन दुनिया में Mass Communication के कई फायदे हैं। एक लोकतांत्रिक देश के प्रहरी होने से लेकर तेज संचार सुनिश्चित करने तक, विभिन्न प्रकार के जनसंचार माध्यमों के विभिन्न लाभ और लाभ हैं जैसे:

- बेजुबानों को आवाज देना

जनसंचार माध्यम जनता की नजरों को चमकाने में अहम भूमिका निभाता है क्योंकि आम जनता अपने विचारों और विचारों को स्वतंत्र रूप से व्यक्त कर सकती है। इस तरह, यह बेजुबानों की आवाज बन जाती है और लोगों को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने के अपने अधिकार का उपयोग करने के लिए सही मंच प्रदान करती है।

- प्रभावी और व्यापक संचार

सोशल मीडिया से लेकर डिजिटल प्लेटफॉर्म तक विभिन्न प्रकार के जनसंचार माध्यमों के माध्यम से ही दुनिया एक वैश्विक गांव में तब्दील हो गई है। इस तरह जनसंचार लोगों, व्यवसायों, सरकारों और पूरी दुनिया के लिए एक-दूसरे से जुड़े रहने के लिए उपयोगी हो गया है।

- विविध संस्कृतियों का प्रसार

Mass Communication भी दुनिया के कोने-कोने में कला और संस्कृतियों के प्रसार में एक बड़ी भूमिका निभाता है। इंटरनेट की सहायता से कोई भी व्यक्ति नई भाषा सीख सकता है, भिन्न संस्कृति के बारे में जान सकता है या यहां तक कि बिना शारीरिक रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाए पूरी दुनिया की यात्रा भी कर सकता है।

- सूचना

का विश्वकोश इंटरनेट वास्तव में सूचनाओं का एक विशाल खुला स्रोत है और सर्च इंजन प्लेटफॉर्म से लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक विभिन्न प्रकार के Mass Communication हैं और सीखने वाली वेबसाइटें किसी को भी कहीं भी कुछ भी सीखने में मदद करने में बड़ी भूमिका निभाती हैं।

इनके अलावा, Mass Communication के कुछ नुकसान भी हैं जैसे कि नकली समाचारों का आसान प्रसार, समझौता गोपनीयता, स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे, सेंसर की गई सामग्री और विषयों को ग्लैमराइज़ करना, धोखाधड़ी और हैकिंग की संभावना, आदि।

Mass Communication के उदाहरण

जब भी आप अपना पसंदीदा संगीत सुनना चाहते हैं, नवीनतम फिल्म देखना चाहते हैं, कोई कार्यक्रम या क्रिकेट मैच देखना चाहते हैं, तो आप कहाँ जाते हैं? जबकि पहले, टेलीविजन एकमात्र स्रोत था, आपके आस-पास की घटनाओं से अपडेट रहने के तरीकों का विस्तार हुआ है। यहाँ Mass Communication के सबसे आम उदाहरण हैं:

- टेलीविजन
- रेडियो
- समाचार पत्र
- पत्रिका
- सामाजिक मीडिया
- डिजिटल मीडिया
- इंटरनेट, आदि

सूचना और समाचार के प्रसार के इन स्रोतों को 'Mass Communication' माना जाता है। यह एक ऐसा माध्यम है जिसका उपयोग जनता या बड़ी संख्या में विषम श्रोताओं के साथ विभिन्न प्रकार की सूचनाओं के साथ संवाद करने के लिए किया जाता है।

Mass Communication के लक्षण

Mass Communication में जनसंचार के माध्यम से बड़े पैमाने पर दर्शकों तक पहुंचने या प्रसारित करने के लिए मीडिया प्रौद्योगिकियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। Mass Communication की प्रमुख विशेषताएं हैं:

- Mass Communication समाचार के संचार , उत्पादन और प्रसार के लिए तकनीकी और संस्थागत दोनों तरीकों का गठन करता है ।
- यह बड़े दर्शकों या जनसमूह तक पहुँचता है और इसीलिए इसे जनसंचार माध्यम कहा जाता है।
- Mass Communication में समाज को प्रभावित करने की शक्ति है और समाज में जो हो रहा है उससे भी प्रभावित होता है।
- दर्शकों या जनता को सामग्री, मीडिया प्लेटफॉर्म, आदि के संदर्भ में व्यापक विविधता वाले विकल्पों की पेशकश की जाती है ताकि वे जिस प्रकार के Mass Communication का उपभोग करना चाहते हैं, उसमें से चुन सकें।

Mass Communication के कार्य

Mass Communication आधुनिक संस्कृति में सबसे महत्वपूर्ण ताकतों में से एक रहा है। सभी प्रकार के Mass Communication संचार चाहे लिखित, प्रसारण या बोले गए हों, बड़े दर्शकों तक पहुँचते हैं और इस प्रकार व्यापक प्रभाव पैदा करते हैं। यहाँ Mass Communication के महत्वपूर्ण कार्य हैं:

- हम दुनिया को कैसे देखते हैं, इसे आकार देने में Mass Communication एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- जनसंचार माध्यमों के गहन उपयोग के परिणामस्वरूप विश्व छोटा और निकट दिखाई देने लगा है।
- यह वस्तुओं और सेवाओं के वितरण को भी बढ़ावा देता है।
- जनसंचार माध्यमों का मूल उद्देश्य जनता को सूचित करना, शिक्षित करना और उनका मनोरंजन करना है।
- यह लोकतंत्र और राष्ट्र के सुचारू कामकाज में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में जाना जाता है।
- मीडिया समाज का प्रहरी है।
- Mass Communication विरासत और सांस्कृतिक मूल्यों को प्रसारित करने का काम करता है।
- न्यू Mass Communication का उदय लोगों को एक साथ लाने के लिए एक वैश्विक मंच बनाता है।

Mass Communication के प्रकार

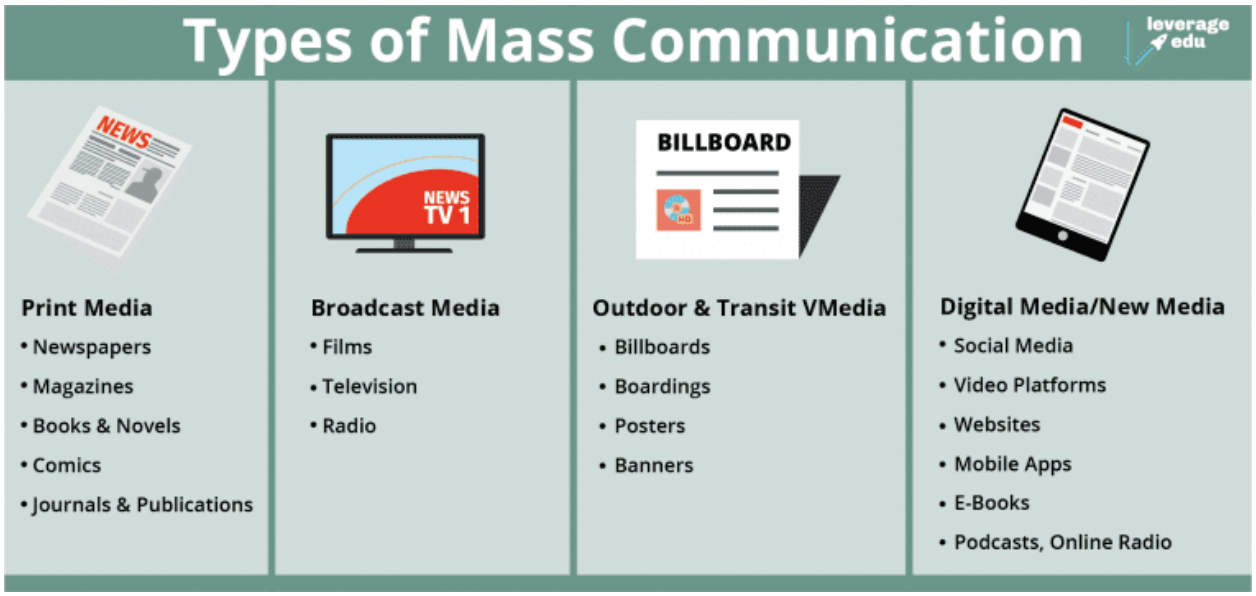

जब मीडिया के विभिन्न रूपों की बात आती है , तो प्रिंट मीडिया (समाचार पत्र, किताबें, पत्रिकाएं), प्रसारण मीडिया (टेलीविजन, रेडियो), डिजिटल मीडिया (इंटरनेट) के साथ-साथ वीडियो गेम, संगीत जैसे आधुनिक मीडिया के विभिन्न प्रारूप हैं। सेल फोन, फिल्म, दूसरों के बीच में। इन सभी प्रकार के जनसंचार माध्यमों में सामग्री के साथ-साथ एक उपकरण या वस्तु शामिल होती है जो सामग्री वितरित करने का माध्यम है।

Mass Communication In Hindi के 6 मुख्य प्रकार हैं :

1. पारंपरिक मीडिया
2. मुद्रण माध्यम
3. इलेक्ट्रॉनिक / प्रसारण मीडिया
4. आउटडोर मीडिया या आउट ऑफ होम मीडिया (OOH)
5. ट्रांजिट मीडिया
6. डिजिटल मीडिया/न्यू मीडिया/इंटरनेट

पारंपरिक मीडिया

लोगों ने अपनी स्थानीय भाषा और संस्कृति के आधार पर संचार के विभिन्न तरीकों का विकास किया है। पारंपरिक मीडिया पीढ़ियों से परंपराओं और संस्कृति को स्थानांतरित करने के लिए सबसे पुराने प्रकार के जनसंचार माध्यमों में से एक है। संचार के उपकरण समाज की मान्यताओं, रीति-रिवाजों, रीति-रिवाजों और प्रथाओं से विकसित हुए हैं। पारंपरिक मीडिया युगों से संचार के स्वदेशी तरीके प्रदान करता है। इसके अलावा, इस प्रकार का जनसंचार माध्यम प्रत्येक संस्कृति और समाज के अनुसार भिन्न होता है क्योंकि प्रत्येक संस्कृति के अपने जन दर्शकों से संवाद करने के लिए अपने स्वयं के माध्यम होते हैं। इस प्रकार, पारंपरिक मीडिया लोक गीत, नृत्य, लोककथाओं और लोककथाओं के साथ-साथ पेंटिंग, मूर्तियां, स्तूप, मूर्तियां और मेले, त्योहार, ग्रामीण या सामुदायिक रेडियो और नागाड़ा जैसे घोषणा माध्यम आदि हो सकते हैं।

पारंपरिक मीडिया के रूप

- लोक नृत्य
- लोक गीत और संगीत
- रंगमंच, नाटक और लोककथाएं
- पेंटिंग, मूर्तियां, शिलालेख, मूर्तियां और स्तूप
- रूपांकनों और प्रतीकों
- ढोल या 'नगड़ा' पीटकर की गई घोषणाएं
- छाया कठपुतली और स्ट्रिंग कठपुतली
- कहानी
- नौटंकी
- मेले और त्यौहार
- ग्रामीण रेडियो

मुद्रण माध्यम

सरल शब्दों में, प्रिंट मीडिया सूचना और समाचार के मुद्रित रूप के बारे में है। प्रिंटिंग प्रेस के आविष्कार से पहले, मुद्रित सामग्री को हाथ से लिखना पड़ता था जिससे बड़े पैमाने पर वितरण लगभग असंभव हो जाता था। प्रिंट मीडिया जनसंचार माध्यमों के बुनियादी प्रकारों में से एक है जो इसे व्यापक दर्शकों तक पहुंचने के लिए बहुत लोकप्रिय और सुविधाजनक बनाता है। पारंपरिक जनसंचार माध्यमों के बाद समाचार पत्रों को जनसंचार माध्यमों

का सबसे पुराना रूप माना जाता है क्योंकि लंबे समय तक आम जनता अपने स्थानीय क्षेत्रों के साथ-साथ दुनिया भर की नवीनतम घटनाओं को जानने के लिए समाचार पत्रों पर निर्भर थी। इस प्रकार, प्रिंट मीडिया मूल रूप से समाचार पत्रों को संदर्भित करता है और फिर पत्रिकाओं, टैब्लॉयड, प्रचार ब्रोशर, पत्रिकाओं, पुस्तकों, उपन्यासों और कॉमिक्स की ओर विस्तारित होता है।

प्रिंट मीडिया के रूप

- समाचार पत्र (ब्रॉडशीट और टैब्लॉयड)
- पत्रिकाएं, समाचार पत्र और पत्रिकाएं (सामान्य या विशिष्ट रुचि)
- ब्रोशर, पत्रक और पैम्फलेट
- पत्रिकाओं
- किताबें, उपन्यास और कॉमिक्स

इलेक्ट्रॉनिक प्रसारण मीडिया

प्रसारण केवल इलेक्ट्रॉनिक प्रसारण माध्यम का उपयोग करके बिखरे हुए दर्शकों को ऑडियो और वीडियो सामग्री का वितरण है। मूल रूप से 'प्रसारण' शब्द का अर्थ बड़े खेतों में बिखेर कर खेतों में बीज बोना है। प्रसारण मीडियाएक अनपढ़ व्यक्ति को भी समाचार प्रसार में आसानी की अनुमति देता है क्योंकि यह श्रवण और दृश्य दोनों इंद्रियों को अपील करता है जिससे यह जनसंचार के सबसे आकर्षक प्रकारों में से एक है। सदियों बाद समाचार पत्रों को मूल जनसंचार माध्यम के रूप में इस्तेमाल करने के बाद, रेडियो और टेलीविजन का आगमन हुआ। रेडियो युद्धों के साथ-साथ खेल और मनोरंजन के लिए आम जनता के लिए समाचार का प्राथमिक माध्यम था। जब टेलीविजन का आविष्कार हुआ, तो यह सबसे प्रभावी प्रकार का जनसंचार माध्यम बन गया क्योंकि इसका मुख्य रूप से समाचार प्रसार और फिर टीवी शो, लाइव इवेंट और अन्य मनोरंजन उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाता था।

प्रसारण मीडिया के रूप

- टेलीविजन
- रेडियो (एएम, एफएम, समुद्री डाकू रेडियो, स्थलीय रेडियो और उपग्रह)
- पारंपरिक टेलीफोन
- फिल्म/मूवी/मोशन पिक्चर
- वीडियो गेम
- ऑडियो रिकॉर्डिंग और प्रजनन

आउटडोर मीडिया

इसे ओओएच या आउट-ऑफ-होम मीडिया के रूप में भी जाना जाता है और जब जनता अपने घर से बाहर होती है तो सूचना और समाचार प्रसारित करने पर केंद्रित होती है। आउटडोर मीडिया विज्ञापन प्रदर्शित करने और व्यक्तियों को नए उत्पादों, कुछ सामाजिक कारणों या समाज में किसी भी विकास या परिवर्तन की ओर आकर्षित करने को महत्व देता है। ये इमारतों, सड़कों, बिजली के पोल, सड़क के किनारे, वाहनों, स्क्रीन, कियोस्क आदि पर देखे जाने वाले ब्रांड प्रचार में प्रमुख हैं। यह वाणिज्यिक के साथ-साथ लोक कल्याण विज्ञापन के लिए उपयोग किए

जाने वाले सबसे प्रमुख प्रकार के जनसंचार माध्यमों में से एक है और इसमें मुख्य रूप से बिलबोर्ड शामिल हैं बैनर, पोस्टर, ब्रोशर वितरण, कॉमपार्क विज्ञापन, वालस्केप, दूसरों के बीच में!

बाहरी मीडिया के रूप

- होर्डिंग या बुलेटिन
- ज्वलनशील होर्डिंग
- मोबाइल बिलबोर्ड
- बैनर
- लैम्पपोस्ट बैनर
- पोस्टर
- संकेत और तख्तियां
- ब्लिम्प्स, स्काई राइटिंग
- ब्रोशर वितरण
- कॉमपार्क विज्ञापन
- वॉलस्केप

ट्रांजिट मीडिया

ट्रांजिट मीडिया विज्ञापन और सूचना प्रसार की अवधारणा के इर्द-गिर्द घूमता है जब उपभोक्ता सार्वजनिक स्थानों या पारगमन में " चलते-फिरते " होते हैं। इनमें वाहनों और परिवहन पर प्रदर्शन विज्ञापन शामिल हैं। देश की सड़कों और राजमार्गों पर हर दिन यात्रा करने वाले लाखों लोगों के लिए बड़े पैमाने पर ब्रांड प्रचार के लिए ट्रांजिट मीडिया का उपयोग " एक संदेश घर चलाना " के उद्देश्य से किया जाता है।

कुछ लोग सोच सकते हैं कि इस प्रकार का Mass Communication पुराना या अप्रभावी है, फिर भी यह बसों के किनारों पर, मेट्रो कारों में, ट्रांजिट स्टेशनों पर व्यापक रूप से दिखाई देता है जहां यात्री सार्वजनिक परिवहन से प्रवेश करते हैं या उतरते हैं।

ट्रांजिट मीडिया के रूप

- बस विज्ञापन
- रेलवे विज्ञापन
- टैक्सी विज्ञापन
- ट्रांजिट शेल्टर विज्ञापन

न्यू मीडिया या डिजिटल मीडिया

1989 में अंग्रेजी वैज्ञानिक टिम बर्नर्स-ली द्वारा वर्ल्ड वाइड वेब के आविष्कार के बाद से, तेजी से प्रसार गति और उच्च डिजिटल तकनीक के कारण इंटरनेट ने सभी प्रकार के Mass Communication पर भारी कब्जा कर लिया है। न्यू मीडिया एक संवादात्मक दोतरफा संचार है जिसमें उपयोगकर्ता सामग्री और सूचना के सक्रिय उत्पादक हैं। इंटरनेट को एक अत्यधिक संवादात्मक जन माध्यम के रूप में माना जाता है और इसे केवल "नेटवर्क के नेटवर्क" के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। यह तेजी से जनसंचार माध्यमों के केंद्र के रूप में परिवर्तित हो गया है

क्योंकि इसने सभी प्रमुख प्रकार के जनसंचार माध्यमों को आश्चर्यजनक रूप से एकीकृत कर दिया है। अब, आप समाचार वेबसाइटों, प्रसारित टीवी शो के साथ-साथ इंटरनेट का उपयोग करके ऑनलाइन रेडियो सुन सकते हैं और इसे Mass Communication का अभिसरण भी कहा जाता है!

न्यू मीडिया आम तौर पर मौजूदा मीडिया की पुन: अवधारणा है। यह कंप्यूटर और इंटरनेट कनेक्शन (ब्रॉडबैंड या वाईफाई) के साथ पहुंच में आसानी के साथ तेजी से बढ़ता हुआ Mass Communication है। से कहानी लेखन और ग्राफिक डिजाइनिंग के लिए मल्टीमीडिया और एनिमेशन , इस क्षेत्र में एक कैरियर का पीछा अत्यधिक लाभप्रद हो सकता है।

डिजिटल मीडिया के रूप

- वेबसाइटें
- ईमेल
- सोशल मीडिया और सोशल नेटवर्किंग साइट्स (एसएनएस)
- वेबकास्ट और पॉडकास्ट
- ब्लॉगिंग और व्लॉगिंग
- आईपीटीवी (इंटरनेट प्रोटोकॉल टेलीविजन)
- ई-मंच और ई-किताबें
- ई-कॉमर्स और एम-कॉमर्स
- डिजिटल वीडियो
- कंप्यूटर एनीमेशन
- डिजिटल वीडियो गेम
- मानव-कंप्यूटर इंटरफ़ेस
- आभासी दुनिया और आभासी वास्तविकता

Mass Communication In Hindi करियर

Mass Communication और Mass Communication डिजिटल दुनिया में सबसे अधिक ट्रेंडिंग करियर में से हैं। पत्रकारिता, कॉरपोरेट कम्युनिकेशन, टीवी प्रोडक्शन आदि जैसे विभिन्न प्रकार के Mass Communication में से किसी में डिग्री हासिल करने के बाद आप इस विशाल डोमेन में आकर्षक उच्च-भुगतान वाले करियर का पता लगा सकते हैं। विभिन्न प्रकार के Mass Communication कम्युनिकेशन में सबसे लोकप्रिय नौकरियां यहां दी गई हैं:

- पत्रकार
- फोटो पत्रकार
- कॉपीराइटर/ कंटेंट राइटर
- रिपोर्टर
- डिजिटल संपादक
- सामाजिक मीडिया प्रबंधक
- संचार सहयोगी
- फिल्म निर्माता
- चलचित्र निर्माता
- रेडियो जॉकी
- छायाकार

- वाणिज्यिक फोटोग्राफर
- अभिनेता/एंकर
- व्लॉगर
- सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर
- ग्राफिक डिजाइनर
- वेब डिजाइनर
- सामग्री विपणक
- खेल डिजाइनर
- पेंटर/विजुअल आर्टिस्ट

पूछे जाने वाले प्रश्न **FAQ**

जनसंचार माध्यम कितने प्रकार के होते हैं**?**

विभिन्न प्रकार के Mass Communication हैं जैसे प्रिंट मीडिया, डिजिटल मीडिया, ब्रॉडकास्ट मीडिया, न्यू मीडिया, अन्य। उदाहरण के लिए: फिल्म, समाचार पत्र, पत्रिकाएं, रेडियो, सीडी, वीडियो गेम, विज्ञापन आदि।

मीडिया के **4** प्रकार कौन से हैं**?**

मीडिया के 4 प्रकार हैं:

प्रिंट मीडिया (समाचार पत्र, पत्रिकाएं)

ब्रॉडकास्ट मीडिया (टीवी, रेडियो)

आउटडोर या आउट ऑफ होम (ओओएच) मीडिया।

इंटरनेट या डिजिटल मीडिया

Mass Communication के **3** प्रमुख प्रकार कौन से हैं**?**

Mass Communication के 3 प्रकार:

- प्रिंट मीडिया

- समाचार मीडिया

- प्रसारण मीडिया

Mass Communication क्या है**?**

मीडिया प्रौद्योगिकियां जिन्हें बड़े दर्शकों के साथ संवाद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है उन्हें Mass Communication के रूप में जाना जाता है।

भारत का पहला टीवी चैनल कौन सा था**?**

अन्य पश्चिमी देशों की तुलना में भारत में जनसंचार माध्यमों का आगमन कुछ देर से हुआ। पहला टीवी चैनल दूरदर्शन था। इसे राज्य द्वारा वर्ष 1991 में लॉन्च किया गया था।

Mass Communication को किस नाम से भी जाना जाता है**?**

जब व्यक्तिगत रूप से Mass Communication को अकादमिक रूप से आगे बढ़ाने की योजना होती है, तो विश्वविद्यालयों द्वारा पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रम Mass Communication के नाम से आते हैं। इस प्रकार Mass Communication का दूसरा नाम Mass Communication है।

क्या हम कह सकते हैं कि पारंपरिक मीडिया ट्रांजिट मीडिया से बेहतर है**?**

नहीं, हम यह नहीं कह सकते कि पारंपरिक मीडिया ट्रांजिट मीडिया से बेहतर है क्योंकि दोनों संचार के विभिन्न स्तरों पर महत्व रखते हैं। जबकि टीवी और रेडियो विज्ञापन महत्वपूर्ण हैं, घर से बाहर विज्ञापन भी आवश्यक हैं।

Mass Communication की जड़ क्या है**?**

प्रिंटिंग प्रेस को Mass Communication के विकास का एक मुख्य कारण माना जाता है।

शीर्ष **Mass Communication** पाठ्यक्रम क्या हैं**?**

-बैचलर ऑफ जर्नलिज्म-

बैचलर ऑफ जर्नलिज्म एंड Mass Communication-

मास्टर ऑफ जर्नलिज्म